MARCH
Week-13

27 B.A. II MIL

हिन्दी विभाग
डॉ गीता कुमारी

9-11-2020
2.10 - 3.00 pm

विषय - कहानी

लेखक परिचय

मोहन राकेश

मोहन राकेश, ~~का~~ का जन्म 8 जनवरी 1925 को अमृतसर में हुआ था। उन्होंने हिन्दी और अंग्रेजी में अपनी स्नातकोत्तर की डिग्री पंजाब विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी।

मोहन राकेश, 1950 के दशक की हिन्दी साहित्य पत्रिका नई कहानी आन्दोलन के साहित्यकार थे, जिन्होंने उपन्यास, यात्रा, आलोचना, संस्मरण, लघु कथा और नाटक में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

मोहन राकेश एक प्रतिभापूर्ण नाटककार और उपन्यासकार थे। जैसे-जैसे हम उनके प्रारम्भिक कार्यों का अवलोकन करते हैं, वैसे-वैसे हम उनके कार्यों में एक क्रमिक विकास पाते है है। धीरे-धीरे वे मानव जाति के भाग्य और आकांक्षाओं के करीब आ गए। वह एक ~~प्र~~ प्रमुख कथाकार थे

Not an one string
are all life's jewel strung.

और हिन्दी भाषा पर उनका अद्भुत नियंत्रण था उन्होंने ज्यादातर शहरी महत्वकांक्षी लोगों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं के बारे में लिखा।

मोहन राकेश ने अपनी जीविका चलाने के लिए शिक्षण कार्य किया। कुछ साल तक वह 'सारिका' के संपादक भी रहे थे। उपन्यास शैली में अंधेरे बंद कमरे, अन्तराल, ना आने वाला कल आदि कुछ प्रमुख कहानी संग्रह में क्वार्टर तथा अन्य कहानियाँ, पहचान तथा अन्य कहानियां, वारिस तथा अन्य कहानियाँ आदि, प्रमुख नाटकों में आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस और आधे अधूरे आदि मोहन राकेश के तीन नाटक आषाढ़ का एक दिन लहरों के राजहंस और आधे अधूरे बहुत ही प्रसिद्ध हुए हैं। उन्होंने लिखने की दुनिया में एक अवसर पैदा कर दिया है।

मोहन राकेश बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकार थे। उनकी कहानियों में एक निरंतर विकास मिलता है जिससे वे आधुनिक मनुष्य की नियति के निकट से निकटतर आते गए हैं। उनकी खूबी यह थी कि वे कथा शिल्प के उस्ताद थे और उनकी भाषा में गजब का सधाव ही नहीं, एक शास्त्रीय अनुशासन भी है। कहानी से लेकर उपन्यास तक में उनकी कथा-भूमि शहरी मध्य वर्ग है। कुछ कहानियों में भारत विभाजन की पीड़ा बहुत सशक्त रूप में अभिव्यक्त हुई है।

मोहन राकेश की रचनाएँ पाठकों और लेखकों के दिलों को छूती हैं। एक बार जो उनकी रचना को पढ़ता है तो वह पूरी तरह से उनके शब्दों में डूब जाता है।

मोहन राकेश पहले कहानी विधा के जरिये हिन्दी में आए उनकी मिसपाल, आद्रा, ग्लासटैंक जानवर और मलबे का मालिक आदि।

मोहनराकेश को संगीत नाटक अकादमी द्वारा सम्मानित किया गया था।
हिन्दी के महान लेखक मोहन राकेश ~~के~~ 3 जनवरी 1972 को नई दिल्ली में इस संसार को छोड़कर चले गए।

10:00
11:00
12:00
13:00
14:00
15:00
16:00
17:00
18:00

APR

Scanned with CamScanner